



Mr.rahul



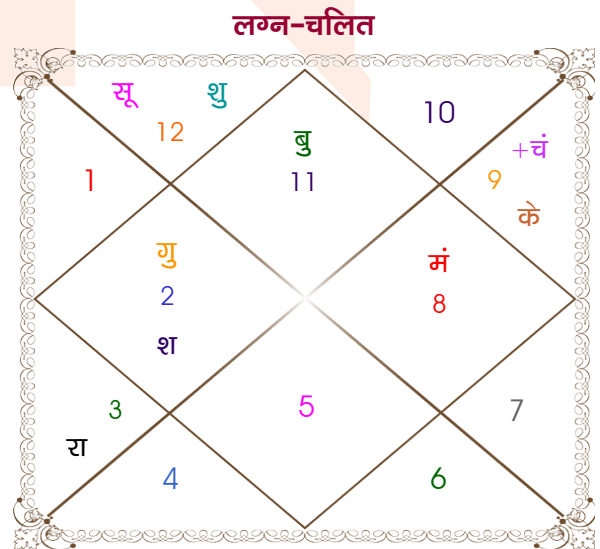
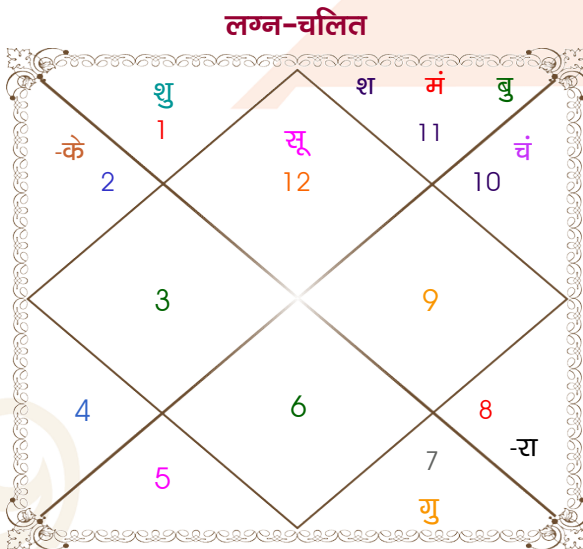
Ms. Dhanshri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119636202

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 4-05/04/1994 : _____ जन्म तिथि _____ 18-19/03/2001
 सोम-मंगलवार : _____ दिन _____ रवि-सोमवार
 घंटे 06:07:00 : _____ जन्म समय _____ 05:00:00 घंटे
 घटी 59:56:09 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 56:20:23 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Delhi : _____ स्थान _____ Delhi
 28:39:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 28:39:00 उत्तर
 77:13:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 77:13:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:08:32 : _____ सूर्योदय _____ 06:27:50
 18:40:25 : _____ सूर्यास्त _____ 18:31:03
 23:46:51 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:52:10

विंशोत्तरी चन्द्र 6वर्ष 10मा 15दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 5वर्ष 6मा 7दि
राहु	19:48:10	मीन	लग्न	कुंभ	03:17:39	राहु
19/02/2008	21:13:22	मीन	सूर्य	मीन	04:33:22	26/09/2023
18/02/2026	14:09:56	मक	चंद्र	धनु	27:43:49	25/09/2041
राहु	28:38:15	कुंभ	मंगल	वृश्चि	21:37:09	राहु
01/11/2010	28:45:37	कुंभ	बुध	कुंभ	08:17:49	08/06/2026
गुरु	18:59:53	तुला व	गुरु	वृष	11:37:06	31/10/2028
शनि	10:11:17	मेष	शुक्र व	मीन	21:49:41	07/09/2031
बुध	13:58:27	कुंभ	शनि	वृष	02:40:16	27/03/2034
केतु	00:49:53	वृश्चि व	राहु व	मिथु	18:34:54	14/04/2035
शुक्र	00:49:53	वृष व	केतु व	धनु	18:34:54	14/04/2038
सूर्य	02:16:59	मक	हर्ष	मक	29:01:00	09/03/2039
चन्द्र	29:27:16	धनु	नेप	मक	14:09:45	07/09/2040
मंगल	03:57:42	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	21:24:35	मंगल
						25/09/2041



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि इतन्तीनस का नक्षत्र श्रवण है।

इतन्तीनस का वर्ग मार्जार है तथा डेण कीदीतप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार इतन्तीनस और डेण कीदीतप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

इतन्तीनस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

डेण कीदीतप मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

इतन्तीनस तथा डेण कीदीतप में मंगलीक मिलान ठीक नहीं है।

निष्कर्ष

मंगलीक एवं अष्टकूट गुण न मिलने के कारण दोनों का मिलान बिल्कुल ठीक नहीं है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

